राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

पाठ्यक्रम

बी.ए. (द्वितीय वर्ष) - चतुर्थ सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)

नाटक एवं एकांकी

1 क्रेडिट -25 अंक

6 क्रेडिट -150 अंक

प्रश्नपत्र -120 अंक

आंतरिक मूल्यांकन-30 अंक

उद्देश्य (Objectives)

1. विद्यार्थियों में महान साहित्यकारों की रचनाओं के माध्यम से लेखन कौशल और अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना
2. हिन्दी नाटकों के अध्ययन के माध्यम हिंदी भाषा व साहित्य के स्वरूप व विकास की जानकारी प्राप्त करना
3. हिन्दी एकांकी के अध्ययन द्वारा नाट्य विधा के विभिन्न स्वरूपों से परिचय तथा उनकी परंपरा से परिचय करना
4. सृजनात्मक लेखन एवं विवेचनात्मक दृष्टि विकसित करना ।

अधिगम (Learning Outcomes)

1. हिन्दी नाटकों के अध्ययन से नाट्य शास्त्र की प्राचीन परंपरा का ज्ञान होगा व साहित्यिक अभिरुचि व कौशल का विकास हो सकेगा।
2. नाटक से जुड़ी नवीन विधाओं के प्रयोग द्वारा सामाजिक सरोकारों, समस्याओं व अन्य समसामयिक विषयों को समझने की दृष्टि का विकास हो सकेगा
3.हिन्दी एकांकी के विकास व उसके योगदान को समझ सकेंगे ।
4. नाट्य विधा व रंगमंच के विभिन्न पहलुओं को जान कर संचार माध्यमों - सोशल मीडिया ,सिनेमा, टेलिविज़न, OTT तथा विज्ञापन आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र एवं अंक विभाजन

यह प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त है-

खण्ड- अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या **1,** जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से **दस** अति लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न **2** अंकों का होगा।

खण्ड- ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या **2,3,4,5** सप्रसंग व्याख्या के हैं, जिसमें द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ इकाई में निर्धारित पाठ में से कुल चार (**4**) व्याख्या **(दो नाटक से एवं दो एकांकी से**) आंतरिक विकल्प सहित पूछी जाएंगी। प्रत्येक प्रश्न **10** अंकों का होगा।

खण्ड-के अन्तर्गत प्रश्न संख्या **6,7,8** एवं **9** निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें इकाई प्रथम ,द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ से **एक एक प्रश्न (कुल चार प्रश्न)** आंतरिक विकल्प सहित पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न **15** अंकों का होगा।

प्रथम इकाई

(i) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास

(ii) हिन्दी नाटक का स्वरूप

(iii) हिन्दी एकांकी का उद्भव और विकास

(iv) हिन्दी एकांकी का स्वरूप

(v) हिन्दी के प्रमुख नाटक व नाटककार

(vi) हिन्दी के प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकार

द्वितीय इकाई

नाटक -'एक और द्रोणाचार्य'- लेखक - **शंकर शेष**

किताब घर प्रकाशन ,दरियागंज,नई दिल्ली .

तृतीय इकाई

1. **पृथ्वीराज की आँखें** - डॉ० रामकुमार वर्मा

2. **ऊसर -** भुवनेश्वर

3. **सूखी डाली-** उपेन्द्रनाथ अश्क

4. **रीढ़ की हड्डी** -जगदीश चन्द्र माथुर

चतुर्थ इकाई

5. **नए मेहमान-** उदय शंकर भट्ट

6. **अंडे के छिलके** - मोहन राकेश

7. **बसंत ऋतु का नाटक** - लक्ष्मी नारायण लाल

8- **हरितगन्धा** - हमीदुल्ला

आंतरिक मूल्यांकन हेतु किन्हीं दो विषयों पर निबंध लेखन-
(क) हिन्दी नाटक के उद्भव और विकास पर संक्षिप्त निबंध
(ख) हिन्दी के प्रमुख नाटककारों का परिचय
(ग) हिन्दी के ऐतिहासिक नाटक
(घ) जयशंकर प्रसाद के नाटक
(ङ) हिन्दी एकांकी और डॉ रामकुमार वर्मा का योगदान
(च) रीढ़ की हड्डी एकांकी की मूल संवेदना
(छ) एक और द्रोणाचार्य नाटक के मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण
(ज) एक और द्रोणाचार्य नाटक की मूल संवेदना